चेहरादूनः दिनाकः /3 जून, 2005

िममा - वहरतील विकित्सरीण जनपद अल्मोड़ा के आवारीय/अनावासीय गवनों के निर्माण हेतु कित्तीय वर्ध 2005-06 में धनसीश की स्वीकृति।

संधर्युक्त विषयक आएके पत्र संख्या-149/28/5/2005-06 दिनांक शून्य के राजनं में मुझे यह फारने का निवेश हुआ है कि जनपद अल्मोड़ा की तहसील मिकियारीण के आवासीय/अन्तावासीय भवनों के निर्माण हेतु अनुमोदित आगणन रु० 187.41 लाख के िमिश्ति अवशेष धनसारी ७० ६५.२७ लाख (२० पेंसर लाख सत्ताईस हजार मान) की धनराशि को वर्रामान विस्तीय वर्ष में व्यय करने की श्री राज्यपाल मंहोदय सहर्ष स्वीकृति

व अवदोगरा भागवति हाम गारते समय गंजार मैनुआल, विस्तीय हरत पुरिसामा, रहीर प्रमान करता. रिम्डर/मुटेशम विषयक भियम एवं शासन के अन्य त्तव्विषयक आहेशों का

2- प्ययं चन्हीं गदों में किया जायेगा , जिसके लिये यह खीकृत किया जा रहा है।

3— कार्य की गुणवत्ता एंव समयवद्धता पर विशेष बल दिया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी का होगा।

४- स्वीकृत छनलांश जिलाधिकारी द्वारा आहरित करके शीध निर्माण इकाई को उपलब्ध कराई जासंगी। कृत कार्य की वित्तीय एंव भीतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन

5- मूर्व प्रवीतहृत धनसांशि के 90 प्रतिशत व्यथ के जपरान्त ही प्रश्नगत धनशक्षि का

ए- यहाँ विवास अर-3-06 तयह जिला प्रशासन की सन्तुव्ही के अनुसार पूर्ण करके

6— इस सम्बन्ध में होने बाला व्यथ विस्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यथक की अनुवान संख्या-6 लेखाशीर्वक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य मवन-श्रायोजनागत-051-निर्माण-03-तहसीलों के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण-00-24-वृहद निर्नाण कार्य के बागें खाला जायेगा।

7— यह आयेश विता विभाग के अशाराकीय संदर्भा-499/वि० अनु०-3/2005

जिलांक 10 जून, 2006 में प्रान्त उनकी शहमती से निर्मस किये जा रहे हैं।

भवसीय (पोहन लाल) अपर सचित।

## र्शस्था एवं सद्दिनांक।

प्रवितिषि निम्नलिधित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेणित:-

- 1- वहालेखाकार उत्तारांचरा, देहरादून।
- कोवाधिकारी, अल्पेड्रा ।
- 3- विजी शक्तिव मस्यमंत्री।
- अपर शशिव, विंत्त यजाट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- अवर एविव, नियोजना विभाग, उत्तरांचल शासन।
- ि विवेशका एनवार्वाविकारिक बस्तरांगल ।
- अविशाली अभियन्ता, अभीण अभिसंदाण सेवा प्रमाम, अल्गोला।
- 2 Red same-3
- अच्छा ।

(सोहन लाल) अपर राचिव।